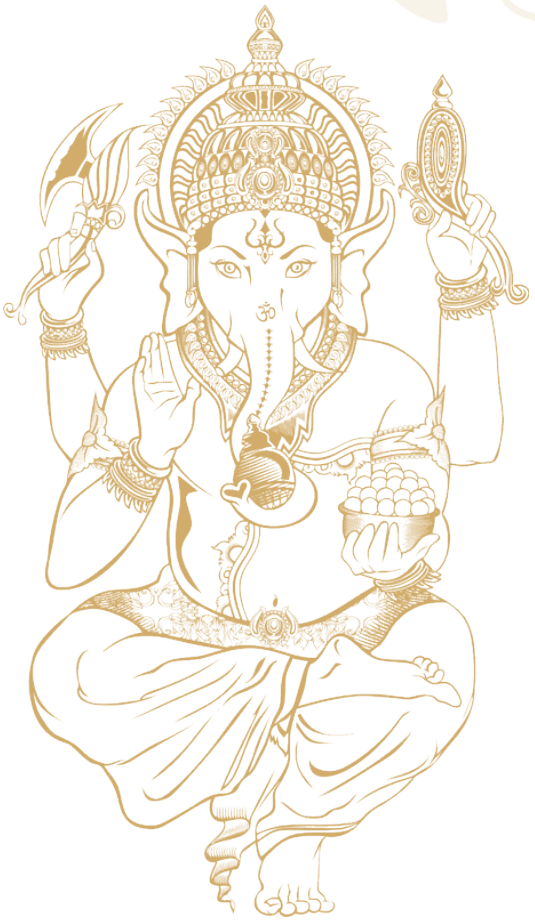

A

02 Dec 2025

03:47 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120983512

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**1-02/12/2025**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**03:47:00 घंटे**
इष्ट	52:05:34 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:25:52 घंटे
वेलान्तर	00:10:58 घंटे
साम्पातिक काल	08:09:57 घंटे
सूर्योदय	06:56:46 घंटे
सूर्यास्त	17:23:44 घंटे
दिनमान	10:26:58 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	15:45:38 वृश्चिक
लग्न के अंश	04:13:58 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	वरियान
करण	बव
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चू-चूड़ामणि
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	04:13:58	312:35:23	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	---
सूर्य			वृश्चि	15:45:38	01:00:48	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			मेष	02:44:43	14:44:42	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	सम राशि
मंगल		अ	वृश्चि	25:45:49	00:44:33	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	स्वराशि
बुध			तुला	26:53:41	00:21:40	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
गुरु	व		कर्क	00:15:16	00:03:57	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	चंद्र	उच्च राशि
शुक्र			वृश्चि	07:08:43	01:15:26	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	सम राशि
शनि			मीन	00:57:01	00:00:24	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	सम राशि
राहु	व		कुंभ	20:00:04	00:06:31	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	20:00:04	00:06:31	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	04:47:35	00:02:27	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप	व		मीन	05:10:24	00:00:18	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	07:42:08	00:01:19	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			कर्क	06:04:31	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:12

लग्न-चलित

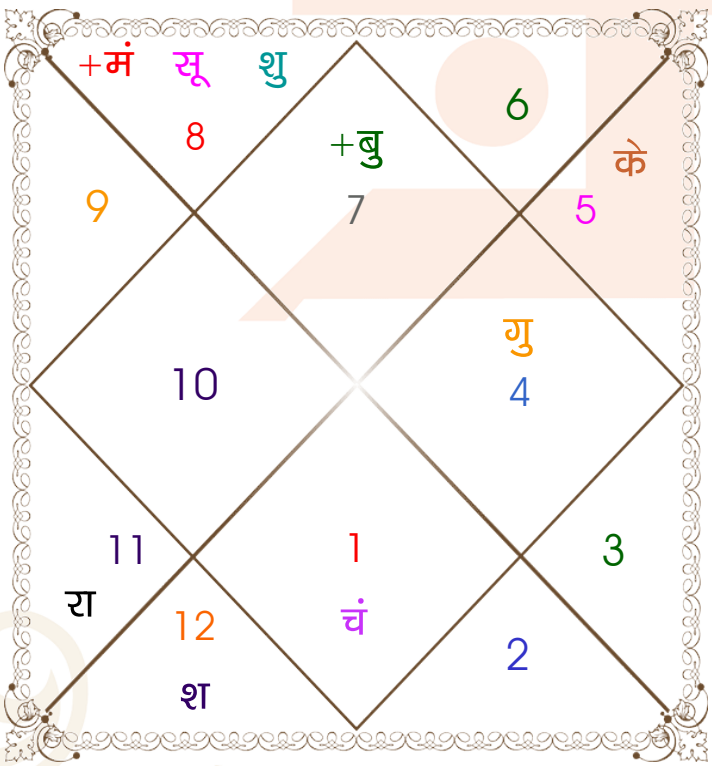

चन्द्र कुंडली

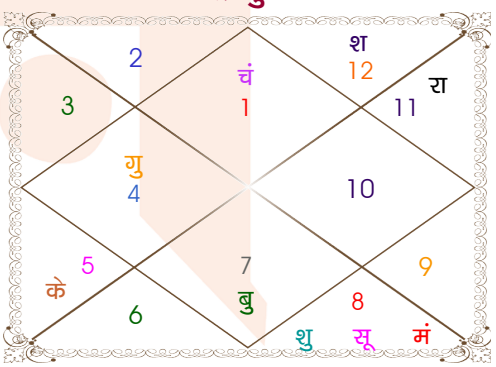

नवमांश कुंडली

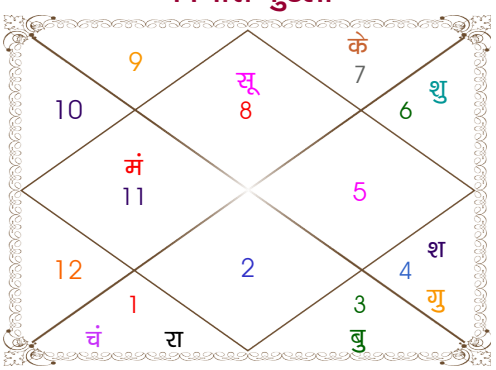

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 5 वर्ष 6 मास 21 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
02/12/2025		24/06/2031		24/06/2051		23/06/2057		24/06/2067	
24/06/2031		24/06/2051		23/06/2057		24/06/2067		24/06/2074	
	02/12/2025	शुक्र	23/10/2034	सूर्य	12/10/2051	चंद्र	24/04/2058	मंगल	20/11/2067
शुक्र	19/01/2026	सूर्य	24/10/2035	चंद्र	11/04/2052	मंगल	23/11/2058	राहु	08/12/2068
सूर्य	27/05/2026	चंद्र	23/06/2037	मंगल	17/08/2052	राहु	24/05/2060	गुरु	14/11/2069
चंद्र	26/12/2026	मंगल	24/08/2038	राहु	12/07/2053	गुरु	23/09/2061	शनि	23/12/2070
मंगल	25/05/2027	राहु	23/08/2041	गुरु	30/04/2054	शनि	24/04/2063	बुध	21/12/2071
राहु	11/06/2028	गुरु	23/04/2044	शनि	12/04/2055	बुध	23/09/2064	केतु	18/05/2072
गुरु	18/05/2029	शनि	24/06/2047	बुध	16/02/2056	केतु	24/04/2065	शुक्र	18/07/2073
शनि	27/06/2030	बुध	24/04/2050	केतु	23/06/2056	शुक्र	23/12/2066	सूर्य	23/11/2073
बुध	24/06/2031	केतु	24/06/2051	शुक्र	23/06/2057	सूर्य	24/06/2067	चंद्र	24/06/2074

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
24/06/2074		23/06/2092		24/06/2108		25/06/2127		24/06/2144	
23/06/2092		24/06/2108		25/06/2127		24/06/2144		00/00/0000	
राहु	06/03/2077	गुरु	11/08/2094	शनि	28/06/2111	बुध	21/11/2129	केतु	20/11/2144
गुरु	31/07/2079	शनि	22/02/2097	बुध	07/03/2114	केतु	18/11/2130	शुक्र	03/12/2145
शनि	05/06/2082	बुध	31/05/2099	केतु	16/04/2115	शुक्र	18/09/2133		00/00/0000
बुध	23/12/2084	केतु	07/05/2100	शुक्र	16/06/2118	सूर्य	25/07/2134		00/00/0000
केतु	10/01/2086	शुक्र	06/01/2103	सूर्य	29/05/2119	चंद्र	25/12/2135		00/00/0000
शुक्र	10/01/2089	सूर्य	25/10/2103	चंद्र	27/12/2120	मंगल	21/12/2136		00/00/0000
सूर्य	05/12/2089	चंद्र	23/02/2105	मंगल	05/02/2122	राहु	10/07/2139		00/00/0000
चंद्र	06/06/2091	मंगल	30/01/2106	राहु	12/12/2124	गुरु	15/10/2141		00/00/0000
मंगल	23/06/2092	राहु	24/06/2108	गुरु	25/06/2127	शनि	24/06/2144		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 5 वर्ष 6 मा 16 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगे। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगा। आप अपनी पत्नी के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र के विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगे। आप अपनी पत्नी की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पत्नी के आकर्षक के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकते हैं। संप्रति आप अपनी संगिनी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगे कि आपको एक अच्छी जीवन संगिनी प्राप्त हुई है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि की जीवन संगिनी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि की संगिनी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपनी जीवन संगिनी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगे। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपका संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगे। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगे। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु वृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु आपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।

आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके। यह जानते हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकते हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाते हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकते हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति के हो जाते है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सके तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगा। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।